

अपने वित्त का प्रबंध करें

आमदनी क्या है?

विभिन्न स्रोतों, जैसे मजदूरी, खेती या कारोबार आदि से अर्जित धन आपकी आमदनी कहलाती है।

आमदनी (धन का स्रोत)	राशि (₹)
वेतन या मजदूरी	2000
कृषि/कारोबार से अर्जन	3000
जोड़	5000

खर्चे क्या है ?

विभिन्न मदों पर व्यय किया जानेवाला धन खर्चे कहलाता है। आवश्यक तथा अनावश्यक मदों पर किए जानेवाले खर्चे इसमें आते हैं। आपके पैसे, खर्च हुए कैसे

खर्चे (धन का उपयोग)	राशि (₹)
भोजन, मकान, कपड़े	2000
शिक्षा	1000
कर्जे की चुकौती	700
बीमारी	300
शराब, ड्रग्स, गुटखा	500
जुआ	400
शादी, त्यौहार, तीर्थयात्रा आदि पर अधिक खर्चा	1100
जोड़	6000



निवेश क्या है ?

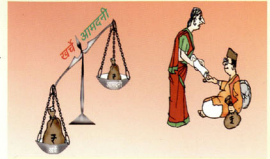
अपनी बचत में से कुछ पैसे कहीं पर इस उम्मीद के साथ रखना कि समय अंतराल में इनमें वृद्धि होगी, निवेश कहलाता है। उदाहरण के लिए जमीन खरीदना, मकान खरीदना, बैंक में सावधि जमा रखना आदि।

बचत क्या है?

जब हमारी आमदनी खर्चों के मुकाबले ज्यादा हो तो हमारे पास बचे पैसे बचत कहलाते हैं।

ऋण क्या है?

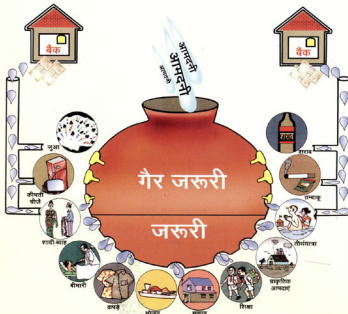
जब खर्च आमदनी के मुकाबले अधिक हो और हमारे पास कोई बचत भी न हो तो धन की कमी को उधार लेकर अथवा ऋण द्वारा पूरा किया जाता है।



आमदनी	खर्च	परिणाम	क्या करें
₹5000	₹4000	बचत ₹1000	आगे बढ़ें
₹5000	₹5000	0	सोचें
₹5000	₹6000	कमी ₹1000	रूकें

ऋण का प्रबंध कैसे करें?

यदि किसी विशिष्ट महीने में हमारे खर्च आय से अधिक हो, तो पैसे की कमी को पूरा करने के लिए पिछले महीने की बचत का उपयोग किया जा सकता है। यदि हमारे पास कोई बचत न हो तो हमें उधार लेना पड़ेगा।



तथा महंगा कर्जा उठाना पड़ेगा। यह हमारे रोजमर्रा के जीवन में पानी के उपयोग के समान है। कभी-कभी नगरपालिका का पानी दिन भर रहता है और कभी वह बिल्कुल आता ही नहीं है। ऐसे में क्या हम पानी का प्रयोग बंद कर देते हैं? नहीं। हम पानी का उपयोग किए बिना नहीं रहते हैं, बल्कि जब अधिक मात्रा में पानी हो तो उस समय पानी को भरकर रख लेते हैं और उसे उस समय काम में लाते हैं जब उसकी कमी रहती है। यही है बचत। हमारा पैसा एक ऐसे घड़े के समान है जिसके नीचे नल लगा हुआ है। घड़े में भरा जानेवाला पानी मानो हमारी आमदनी है और घड़े में से बहता पानी है हमारे खर्चें।

गैर जरूरी खर्चें रोको, पैसा बचाओ, बैंक में जोड़ो

खर्चों की जरूरी और गैरजरूरी मदों में क्या अंतर है?

जरूरी मदें हैं बुनियादी जरूरतें। इसलिए इनके खर्च को टाला नहीं जा सकता है जैसे भोजन, आवास, कपड़े, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि। गैर जरूरी मदें हैं अपनी चाहतवाली मदें। हम इन्हें इसलिए चाहते हैं कि या तो हमें वे पसंद होती हैं अथवा उनसे हमें आनंद मिलता है परंतु वे जीवित रहने के लिए आवश्यक नहीं होती हैं।

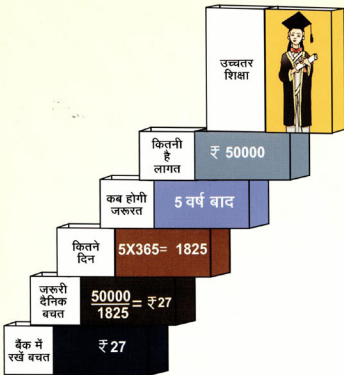
अपने पैसों का प्रबंधन हम कैसे करें?

हम अपने धन का प्रबंधन वित्तीय योजना करते हुए कारगर ढंग से कर सकते हैं। वित्तीय योजना के लिए सर्व प्रथम हमें एक निश्चित अवधि जैसे कि एक सप्ताह या माह के लिए आमदनी और व्यय का हिसाब रखने के लिए एक वित्तीय डायरी रखनी होगी।

वित्तीय योजना (प्लानिंग) क्या है?

वित्तीय योजना का अभिप्राय जीवन चक्र की जरूरतें जैसे जन्म, शिक्षा, मकान खरीदना, विवाह, बीमारी, दुर्घटना, मृत्यु, बाढ़, सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं पर होनेवाले वित्तीय खर्च का अनुमान लगाने तथा उन्हें पूरा करने के उपाय करने से है।

हमें वित्तीय योजना क्यों करनी चाहिए?



वित्तीय योजना से हम अपने आय स्तर को देखते हुए भावी खर्चे पूरा करने के लिए योजना बनाने में सक्षम होंगे। इससे आपको दोहरा लाभ मिलता है, एक - भविष्य की जरूरतों के लिए पैसे बचाने की दृष्टि से हम गैर जरूरी मदों के खर्चे घटा सकेंगे तथा दूसरा - भविष्य की जरूरतों को पूरा कर पाने के लिए नियमित रूप से अपनी आय में से कुछ हिस्सा बचाकर रख सकेंगे। तो आइए आज ही हम वित्तीय योजना बनाने की शुरुआत करते हैं ताकि हम ऋण की चुकौती बेहतर ढंग से

कर पाएं तथा इतनी बचत कर सके कि एक मकान खरीदने या उच्च शिक्षा के लिए खुद की बचत से पैसे जुटा पाएं। **पैसा चाहिए कब और कितना, योजना बनाकर लक्ष्य है जीतना**

वित्तीय योजना कैसे करें?

- ◆ अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति (क्या है आज की स्थिति) का आकलन करें।
- ◆ अपनी आवश्यकताओं और चाहत की पहचान करें - (हम अल्प अवधि (1 वर्ष) मध्यम अवधि (1-5 वर्ष) और लंबी अवधि (5 वर्ष से अधिक) में क्या हासिल करना चाहते हैं)।
- ◆ प्रत्येक मद की लागत और हम इसे कब तक हासिल करना चाहते हैं उसका अनुमान लगाएं। हमें प्रत्येक सप्ताह, माह में कितना पैसा बचाने की जरूरत है इसका हिसाब लगाएं।
- ◆ एक वित्तीय डायरी बनाएं - इसमें अपने साप्ताहिक/मासिक आमदनी और व्यय लिखें।

- ◆ खर्च को काबू में लाए - समझदारी से खर्चा करें।
- ◆ अपनी बचत की नियमित रूप से समीक्षा करें-देखें कि क्या यह प्लानिंग के अनुरूप है? यदि नहीं तो अपने खर्च पर गौर करें कि कहां खर्च में कटौती की जा सकती है और बचत बढ़ाई जा सकती है।
- ◆ प्रत्येक सप्ताह/माह के अंत में बचाई गई राशि का हिसाब रखें।
- ◆ बैंक खाते में अपनी बचत को जमा करें।

एक वित्तीय डायरी क्यों रखनी है ?

वित्तीय डायरी वित्तीय योजना बनाने में सहायक होती है। किसी महीने के दौरान जरूरी और गैर जरूरी मदों पर कितना पैसा खर्च हो रहा है इसका पता करने में वित्तीय डायरी सहायक होती है। इससे हमें उन मदों का पता चलता है जिन पर खर्च से बचा जा सकता है या कम किया जा सकता है। एक बार पता चलने पर हम इन खर्चों पर नज़र रख सकते हैं। हम पैसे बचा सकते हैं तथा गरीबी से छुटकारा पा सकते हैं।

सोच समझकर, खर्च करें

उदाहरण के लिए मानिए हमारी औसत मासिक आमदनी ₹ 5000 है। वित्तीय डायरी रखने से हमें पता चलता है कि भोजन, मकान और कपड़े पर (₹ 2000), बच्चों की शिक्षा के लिए (₹ 1000) किराया (₹ 700), बीमारी के लिए (₹ 300) त्यौहारों और तीर्थयात्रा जैसी चाहतों पर (₹ 500) और शराब एवं जुआ आदि पर (₹ 500) खर्च हुए हैं। हम त्यौहारों और तीर्थयात्रा पर खर्च घटाकर ₹ 200 कर सकते हैं और शराब एवं जुआ पर खर्च को टाल ही सकते हैं। तो हमने अब ₹ 800 की बचत की। इस प्रकार वित्तीय डायरी रखने से हमने बचत जुटा ली। वित्तीय डायरी के बगैर हम खर्चों की समीक्षा नहीं कर सकेंगे और जो भी राशि हमारे हाथ में है, हम सब खर्च कर देंगे।



जरूरतें सीमित हैं - खर्च करें

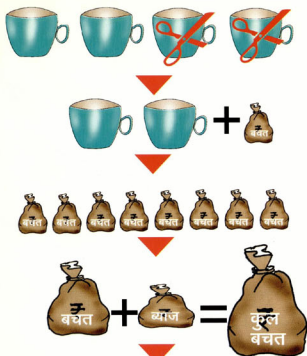
चाहतें अससीमित हैं - घटाए

बुरी आदतें जोखिमभरी - बचे



हम खर्च कैसे घटाएं ?

हम सूझ-बूझ के साथ अपने खर्च करते हुए कुछ गैर जरूरी मदों पर खर्च को कम कर सकते हैं। यह बचाया गया पैसा बिना कोई अतिरिक्त धन कमाएं हमारी अतिरिक्त आमदनी है जो आवश्यक वस्तुओं पर खर्च की जा सकेगी। इसे समझना बहुत आसान है।



खुद के पैसे से खर्च करें



शिक्षा



कारोबार

उदाहरण के लिए, यदि हम रोज 4 कप चाय पीते हो तो पिछले 30 दिनों (एक महीना) में हमने 120 कप चाय का सेवन किया। मान लें कि एक कप चाय ₹ 5 में मिलती हैं तो हमारा कुल खर्चा ₹ 600 हुआ। जरा सोचो कि क्या रोज चार कप चाय पीना हमारे लिए जरूरी है? यदि हम रोज दो ही कप चाय पीते तो यह खर्चा ₹ 300 पर आ जाता था और हमारे पास उतने ही रूपए बच जाते। यहां चार कप चाय हुई आपकी इच्छा परंतु मूलतः हमारी जरूरत दो कप चाय ही है। तो एक प्रकार से हमारी आमदनी ₹ 300 प्रति माह बढ़ी तथा हमने एक वर्ष में ₹ 3600 बचाए।

**खर्च घटाया तो हुआ चमत्कार,
खुद के पैसे से किया कारोबार**

